



आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत  
माह अप्रैल 2022 में आयोजित कार्यक्रमों की आख्या



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय  
जौनपुर 222003 उत्तर प्रदेश, भारत

<b>क्रम संख्या</b>	<b>कार्यक्रम विवरण</b>	<b>पृष्ठ संख्या</b>
1.	14 अप्रैल 2022: आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया गया डॉ भीमराव आंबेडकर जन्मजयंती	3-4
2.	18 अप्रैल 2022: जनसंचार विभाग में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस	5
3.	21 अप्रैल 2022: नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया	6-7
4.	22 अप्रैल 2022: पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता, ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने किया पौधरोपण	8-9
5.	24 अप्रैल 2022: लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद	10-11

## 14 अप्रैल 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया गया डॉ भीमराव आंबेडकर जन्मजयंती

डॉ. आंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता : प्रो. देवराज

समरसता दिवस के रूप में मनाई गई बाबा साहब की जन्मजयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास तथा नवाचार केन्द्र में डॉ भीमराव आंबेडकर की जन्मजयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ आंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआछूत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछड़ों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ श्याम कन्हैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डेन तथा मुख्य वक्ता डॉ नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछड़ों के प्रेरणा स्त्रोत है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. आंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ आंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ आंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बॉम्बे विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बाम्बे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मैं उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंतःवासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंदर, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःवासी मौजूद रहे।



# डॉ. अंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता

**बोले प्रो. देवराज**

समरसत्ता दिवस के रूप में मनाई बाबा साहब की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआकृत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछङ्गों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. श्याम कहैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों



संगोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता।

का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डें तथा मुख्य वक्ता डॉ. नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछङ्गों के प्रेरणा स्रोत है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्राप्त समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. अंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ.

अंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने

बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बोन्ड विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बांधे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में में उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंत: बासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंद्र, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःबासी मौजूद रहे।

## अंबेडकर की विचारधारा आज भी प्रासारिक और अनुकरणीय : डॉ रसिकेश

**पीयू में अंबेडकर जयंती पर हुए कई कार्यक्रम**

संवाददाता जन बाबाका टाइम्स जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मरी संस्थान के शोषित व नवाचार केंद्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर जाती सम्मानोंहें मनाया गया। वह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कृतियों पर निर्भाव एवं मीर्च की प्रेरणा से मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. रसिकेश ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों की वर्तमान में आसारिकता विषय पर अपने विचार को दरखाया। डॉ. रसिकेश जाति विचार की बात न करके मात्र को समीक्षा दीजी जान्माल तुलियी। उनको हर ताक और विचार आज भी प्रासारिक और अनुकरणीय है। वह दरिलों के नसीहा नहीं समर्पण करता जो नई विचार देने वाले महानुभाव है।

जारीकरन में नीरज श्रीपालता ने दुष्परिकरण नीति माकर सबको मन्त्रनुग्रह कर दिया। चुप्पा उत्तर नेता

उद्देश्य लिंग ने सभी छात्रों व अतिथियों को बालिका सुनाम साप्त शिल्प शक्ति से सम्बद्ध महाविद्यालयों को जोड़ा गया। डॉ. रावेश पाठक संवयवाक विचार साझा किया। शिल्प शक्ति की गटीय सेवा योजना ने महाविद्यालयों को कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम की

चर्चा की जौर डॉ. अंबेडकर के विचारों को दुष्परिकरण को लिए महान्‌पूर्ण कामकाज कहाया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के छात्रों ने मात्रावाने प्रतिभाग किया, जिसमें आस्था गुरुता व नेता गुरुता को प्रश्न पुरस्कार, शिरोज शिश व स्त्रियों के द्वितीय पुरस्कार, नीरज की गुरुतीय पुरस्कार, नीरज की सर्विक्षण डॉ. शीर्षक अंबेडकर के विचार पर दुष्परिकरण किया गया। सर्विक्षण डॉ. शीर्षक अंबेडकर के विचार पर दुष्परिकरण की द्वीप प्रज्वलन किया गया।

विश्वविद्यालय डॉ. रितिका लिंग व कार्यक्रम का संचालन डॉ. विचार दर्मा व डॉ. संजय लाल ने किया। कार्यक्रम में डॉ. शीर्षक गुरुता, उद्देश्य लिंग, राज पंडा पटेल, जालोक मिश्र, सीरम कल्पालिया, विश्वविद्यालय शिश, विकेन पाठेय, आलोक मीर्च, शनि सरोज, जिस त्रिपाती, उद्देश्य लिंग, उद्योग योद्धा व समर्पित उद्योग विचारिता थी।



कार्यक्रम की लापरेक्षा प्रस्तुत की। अम्बाजाता करते हुए प्रो. शीर्षक गुरुता ने बताया गूगल भीट डॉ. अंबेडकर के विचारों पर विचृत

18 अप्रैल 2022 जनसंचार विभाग में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस

## विश्व धरोहर दिवस पर जनसंचार विभाग में गोष्ठी का हुआ आयोजन

सोमवार, अप्रैल 18, 2022



वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर है संकट- डॉ. विजयेन्दु

जौनपुर, वीर बहादुर सिंह पूर्वाचिल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि डॉ राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय, अयोध्या के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जन माध्यमों ने धरोहरों के संरक्षण में बड़ी भूमिका अदा की है। जनमाध्यम खबरों के द्वारा निरंतर धरोहरों के रखरखाव के प्रति शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर दिवस की इस बार की थीम धरोहर और जलवायु है, यह विषय बहुत ही संवेदनशील है।

वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर संकट है, इसकी सुरक्षा मानव ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ताजमहल विश्व धरोहर है जिस पर प्रदूषण के खतरे को मीडिया ने बार-बार उठाया है।

जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि धरोहरों को सहेजने की जरूरत है इससे हमारी पहचान जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और विरासत पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। भारत में वर्तमान में 40 यूनेस्को विश्व विरासत स्थल हैं वह आगे की पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहे यह सबकी जिम्मेदारी है। इसी क्रम में डॉ अवधि बिहारी सिंह ने कहा आज कई वेबसाइटों पर धरोहरों से संबंधित गलत सूचनाएं उपलब्ध हैं।



सही जानकारी के लिए प्रतिष्ठित वेबसाइटों से ही जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की धरोहरें हमारी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है। कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी के संयोजक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## 21 अप्रैल 2022 : नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया

देश की धरोहर को बचाए रखने के लिए देश की सेवा में योगदान जरूरी- कुलपति निर्मला एस मौर्य ,

कुलपति निर्मला एस मौर्य , वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की निर्देशन एवं मिशन शक्ति टीम के सहयोग से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में आजादी के अमृत महोत्सव , मिशन शक्ति फेज ४ के अन्तर्गत विश्वविद्यालय प्रांगण के नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महोदया प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि आज की युवाओं को यह देखने की जरूरत है कि वे देश को क्या दे रहे हैं? उन्हें देश को आगे बढ़ाने के लिए सजग योगदान देने की जरूरत है।

कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार ने अपने वक्तव्यों से छात्र छात्राओं को आकर्षित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता को बनाए रखना हीं हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए और इसके लिए आज की युवाओं व नागरिकों को आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट वक्ता डॉ राज बहादुर यादव सह आचार्य अंग्रेजी विभाग , मेहरावा पी जी कालेज ने कहा कि समाज सेवा से हमारे व्यक्तित्व का विकास संभव है और इसके लिए समाज में महिलाएं मुख्य योगदान दे रही हैं।

डॉ जाह्वी श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य हमेशा ऊंचा रखना चाहिए और जौनपुर की मिट्टी में ऐसी बात है कि यहां के छात्र - छात्राएं कुछ भी करने की काबिलियत रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मिशन शक्ति टीम छात्र छात्राओं को पूरी तन्मयता से जागरूक करने का कार्य कर रही है।

मुख्य वक्ता डॉ सुरेश कुमार जिला प्रचारक , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि समाज, देश व राष्ट्र के नागरिकों की सेवा में योगदान देने वाला हीं जाग्रत राष्ट्र की अखण्डता , एकता व प्रभूता को बनाए रख सकती है इसलिए हम सभी को मिलकर इसके लिए कार्य करने की जरूरत है साथ हीं उन्होंने बताया कि मनुष्य का भाव, मनुष्य के चरित्र का निर्माण करता है, इसलिए आज की युवाओं को एक सच्चा नागरिक बनकर देश की सेवा में योगदान देने की जरूरत है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ वनिता सिंह ने , स्वागत भाषण डॉ जाह्वी श्रीवास्तव तथा धन्यवाद सह समन्वयक डॉ विनय वर्मा ने किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ प्रियंका एवं मिशन शक्ति सदस्य डॉ सोनम झा, डॉ रेखा पाल, डॉ पूजा सक्सेना का विशेष योगदान रहा। तकनीकी सहयोग , शोध छात्र अवनीश विश्वकर्मा ने किया। इसके अलावा शिक्षक गण प्रोफेसर ए के श्रीवास्तव , डॉक्टर नृपेंद्र सिंह, डॉ रजनीश भास्कर डॉक्टर सुशील कुमार , डॉक्टर राजेश कुमार एवं छात्र-छात्राएं सिवासंकर , विवेक पांडे , आलोक मौर्य अर्पित श्रीवास्तव , प्रवीण कुमार , सनी कुमार, सरोज, पीयूष यादव अंतिमा , वैश्णवी श्रीवास्तव, मोनिका मौर्या , आजाद केसरी सत्यम यादव, लालू यादव आदि उपस्थित रहे।



**देश की धरोहर को बचाने में योगदान जरूरी**

中行

जातिया के इन सभी जातिक  
सेवा विभाग मण्डप नाम

जीवन। विद्या तक दौर के साथ-साथ  
से भी बदला दिये गये पूर्वानुष  
विवरणिकाल में जगती के बहु-  
तरोंप्रथम्, विद्या तक भृत्य-4 के  
जगती विवरणिकाल उत्तम के  
बाह्यता भैरव में अस्तु विद्या तक सेवा  
दिव्य विद्या एवं विद्याका विद्या  
विद्या विद्या एवं विद्या का विद्या  
विद्या विद्या एवं विद्या का विद्या

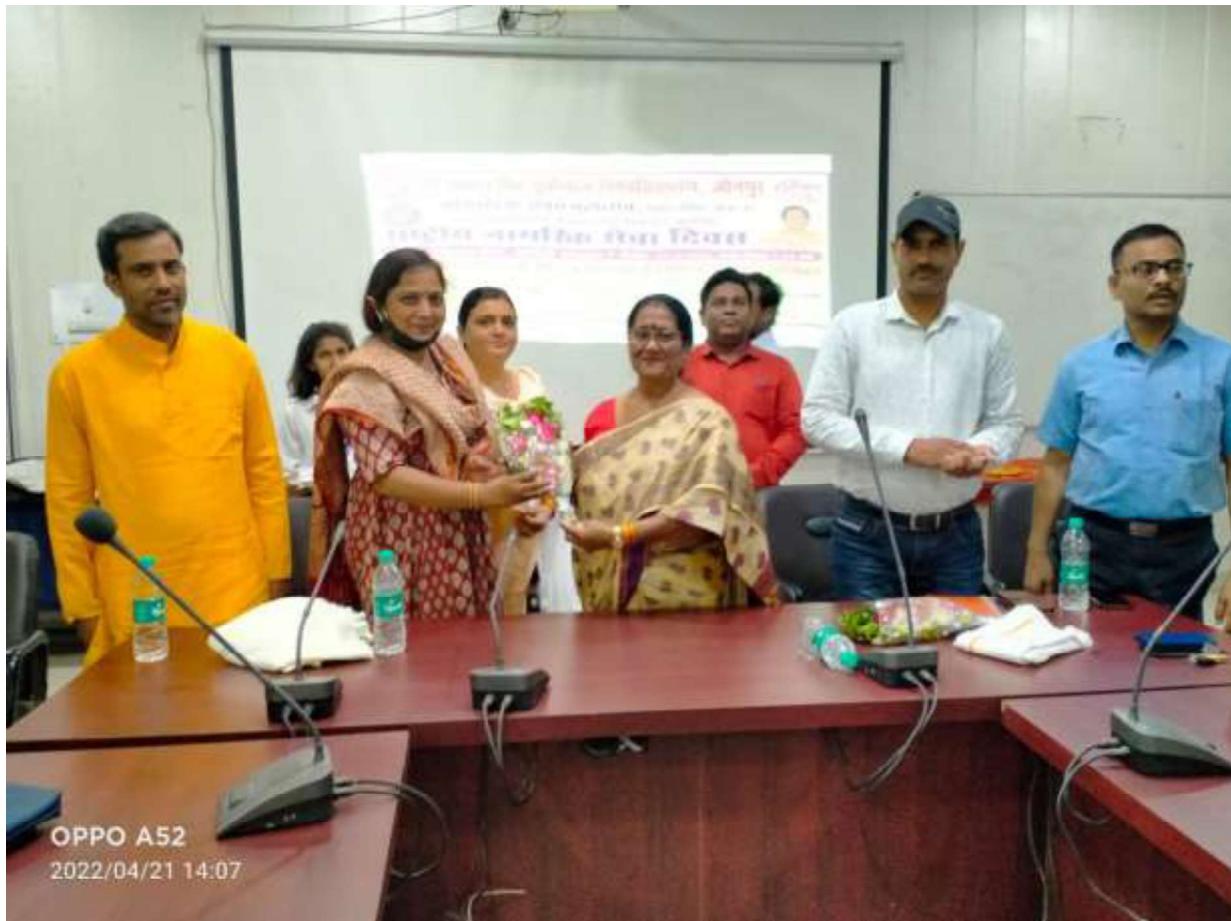
कुलालिय रोड कुमा ने भल फिल्म एवं एकल औ अद्वितीय की बहर, राजनीति वृत्तचरित्र लिख रखी है। उसके द्वारा जनकी गुप्ती और गोपीनाथ की जीवन भी चर्चा है। विशेष गमना यह अवधारणा अद्वितीय विवरण, विवाह व दीवाने को संजोत है। यात विवाह व दीवाने का



कि साधारण रूप में इसके लक्षण या विवरण उपलब्ध हैं और ऐसे विवरण में भवितव्यता अनुभव संसाधन होती है। इस व्यापक विवरण के साथ कि विवरणों को तभी उत्तीर्ण अवधारणा चरित्र और जीवन की विकासी विश्वासीता है कि यह कि ज्ञान-ज्ञानात्मक दृष्टि की परिवर्ती की अविभिन्नता नहीं है। सुख का दृष्टिकोण कृष्ण विवरण एवं लक्षण व्यवस्थीकरण जैसे हैं कहा कि साधारण विषय का एक विवरणीयों की सेवा में विषयानुग्रह देने का बाबा

ही जात लगू की भविष्यत, जबकि व उपर भी कला रुप भवते हैं उपरित, एवं कली भी विषय ताकि इस कला भवते की जात है। यादेविन वा शोधात्मा अविद्याय स्वयम् द्वा, विद्यत विद् वे सदाचारा प्राप्त द्वा, जातिर्वासीकानां तथा बनावत वा बनावाह द्वा, विद्यत कर्त्ता वे विद्यत। एवं यादेविन की सदाचारा वापरे के लिये द्वा, विद्येव एवं विद्यत तथा बनावत द्वा, विद्येव द्वा, द्वा, विद्यत वापरे के लिये एवं सदाचारा वा विद्यत विद्येवत याप-

उक्त कामों लापें, ये वार वर्षाव  
विवरण ने दिया। उक्त वारव  
विवरण, जिसका एक लीकार्ड  
द्वारा दिया गया, इस वर्षाव  
वारवार, उक्त दृष्टि तुम्हा  
दृष्टि नहीं तुम्हा, जिसके बड़े  
लालच मीरे, अपनी लीकार्ड  
इसी तुम्हा, जो तुम्हा, जीव  
सिंह वारव, अपनी विवाह  
लीकार्ड, जिसका मीरे, आज  
दिन, यार वारव, यहाँ वार  
मीरे उत्तमिका हो।



## 22 अप्रैल 2022 पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता, ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने किया पौधरोपण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को पृथ्वी दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर पृथ्वी दिवस की थीम हमारा गृह पृथ्वी का संरक्षण एवं पर्यावरण को रखकर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह समारोह आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मिशन शक्ति फेस - 4 के अंतर्गत लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मनाते हैं। कार्यक्रम सचिव डॉक्टर पूजा सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। निर्णयिक मंडल में डॉ मुक्ता राजे डॉक्टर जया शुक्ला डॉ अनीता सिंह डॉ प्रियंका रहीं। छात्राओं का हौसला अफजाई मिशन शक्ति के डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्ठा ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया। इसी बीच शिक्षकों के ट्रांजिट हॉस्टल में पौध रोपण का कार्यक्रम किया गया है। इस अवसर पर डॉ विनय वर्मा ने कहा कि पृथ्वी सुरक्षित रहेगी तभी हम सुरक्षित रहेंगे। ऐसे में हमें चारों तरफ हरियाली लाकर प्रकृति के संतुलन को बनाना जरूरी है। इस अवसर पर डॉ विवेक कुमार पाण्डेय, डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ दीप सिंह, डॉक्टर अनीश, अवधेश कुमार मौर्या, डॉक्टर दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।



पृथ्वी दिवस पर महिला  
छात्रावास में पोस्टर स्पर्धा



मुख्यमंत्री अवधारणा विभाग द्वारा आयोग के नियन्त्रण में

जीवनम्। जो वहाँ लिख चुके हैं तिन्हीं का विवरण यह है कि वे अपने जीवनम् में वह दृष्टि के साथ जीवनम् के उत्तम रूपोंका बोलते हैं।

इस अवस्था पर दृष्टि नियम की भी दायरा नहीं उपर्युक्त कर सकती है। एवं उपर्युक्त की दायरा प्रेस्टो फ्रॉन्टोफ्रॉन्टो का अवधारण नियम नहीं। तब यद्यपि इन्हीं के अन्य वर्णनात्मक के अवस्था पर विस्तृत लक्षण विवरण के अन्तर्गत लक्षणात्मक विवरण शायद करने में मदद हो सकता। विस्तृत विवरण की जलसमीक्षा विवरण विस्तृत विवरण और यीर्त और त्रिपथी से विस्तृत विवरण के विस्तृत और विवरण से विवरण की विस्तृत विवरण के विवरण होती है।

कार्यक्रम संचालन दूषिकरण का सम्बोधन ने अतिरिक्त वाता वायरल किया। शिवायक वड़ाला वें डी. एसा राम, दूषिकरण वाता वायरल, डी. अरोड़ा लिंग, डी. चिंपाटा रही। खासगंभीर वाता वायरल वाक्यांशको विशेष वर्णन के दूषिकरण जारी हो गये और वायरल के लिया। फ्रॉन्टलाइन में प्राप्त उत्तर वांडे वार्तालाई नियुक्त वायरल ने उत्तर वायरल की वाहनी वायरल वायरल को अपनी छावाएँ ने बदल दिया?। इसी दौरे विवरणों के दृष्टिकोण संचालन वें गैरि लेफ्ट का

कार्यक्रम किए गए हैं। इस प्रबला ने दूरी सिवाय बर्षे से कहा कि यही भूरेश्वर जैसे तरह इस भूरेश्वर भैरवी। तो ये दो चारों तात्पर दौरानी ताका भूरेश्वरी के लंगुला को काढ़ा जानी है। इस अवसरा वा दौ लिखेका कुपार पालदेह, दूरी सूर्योदयालिपि, दौ लिपि, दौरकर लिपि, अपनेका कुपार लिपि, दौ लिपि लिपेका कुपार भैरव दौरानी हैं।

### नामांकन की किसी प्रेरित

जीवनपूर्व। शिल्प के द्वारा बनवे के प्राचीनों विद्युतपर में तापमान को लेकर जूधे हैं जब एक अकेकर लोगों को जागरूक कर्मियों द्वारा दूरित किया जाता है। बच्चों का जग्याकार जूधे की बाती में जागता किया जाता। अन्यथा यहाँसे शिल्प के नेतृत्व में एक लोग दूरित भर जातीक पौष्टिकता के बारे में जागरूकता अविद्युत विद्युत का इस शिल्पमें लोगों की बहुत ही ज्ञान की किया जाता है। जागत वास्तव में शिल्पके बनवे को जागे जाती कर्मियों द्वारा जूधे में उनके शिल्प में खेती जानवरी का जागरूक रहे।

## 24 अप्रैल 2022 : लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद बिठाया गया जिसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करके, राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया।

इस अवसर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे आस्था थर्ड पुरस्कार विजेता निधि दुबे और सुंदरम दुबे रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्वी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मना रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो बी डी शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागड़ेर संभालेगी, ऐसे में इस तरह के विषयों को समझना जानना अति आवश्यक है, मुख्य अतिथि के रूप में छात्रावास के चीफ वार्डन डॉ रजनीश भास्कर ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समय पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है, इस अवसर पर डॉ पूजा सक्सेना ने कहा कि छात्राओं को भी नियमित रूप से समाचार सुनना एवं पढ़ना चाहिए, डॉ झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हौसला अफजाई किया। प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्का ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया। अंत में सभी आगंतुकों के प्रति डॉ जया शुक्ला ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस त्रिपाठी ने किया इस अवसर पर आलोक मौर्य सनी सरोज सुमित सिंह सूर्यकांत तिवारी, करण राजभर, ऋषभ, एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे।



## प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में होता है नेतृत्व का विकास

बुरो आज का परिणाम

जीनपुर। पीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रवियार को लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत याद विद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करके, राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया। चीफ वार्डन डॉ० रजनीश भास्कर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं समय समय पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए। इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। प्रो. बी. डी. शर्मा ने कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागडोर समालोची ऐसे में इस तरह के विषयों को समझाना जानना अति आवश्यक है। भाषण प्रतियोगिता कुई जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य, सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे, आस्था थड़ पुरस्कार



विजेता निधि दुबे और सुदर्शन दुबे रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मीर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गमीरता के साथ मना रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ० विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ० पूजा सरसेना, डॉ. झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हाँसला अफजाई किया। डॉ जया शुक्ला ने आभार और संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन त्रिस त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर आलोक मीर्य, सनी, सरोज, सुमित सिंह, सूर्यकांत तिवारी, करण राजभर, ऋषभ एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे।